CMYK

www.maharashtracrimes.in
Email : editor@maharashtracrimes.in
www.maharashtracrimes.blogspot.in
maharashtracrimes@gmail.com

RNI NO. : MAHHIN/1998/02261

महाराष्ट्र क्राईम्स

वर्ष 20 | अंक 06 | मुंबई, 05 अप्रैल 2021 | पृष्ठ : 8 | कीमत : 5 रुपये | प्रधान संपादक : सिराज चौधरी

बिना लक्षण वाले लोगो की जांच से कोरोना मरीजों की संख्या

एडवोकेट विनोद तिवारी ने राज्य सरकार को भेजा निवेदन

महाराष्ट्र क्राइम्स सवाददाता

नागपुर, महाराष्ट्र राज्य में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ रही है और मृत्यु दर के अकड़ो से हायतौबा मची हुई है। आज संपूर्ण देश में इस बात की चर्चा हो रही है। इसके पीछे प्रमुख कारण महाराष्ट्र भर में हो रही कोरोना टेस्ट है जो कि पूरे देश भर में अन्य राज्यों के हिसाब से महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा टेस्ट किए जा रहे हैं। अगर एक मरीज मिलता है तो कॉन्टैक्ट रेसिंग के नाम पर सैकड़ों जांच किए जाते हैं।जिससे संख्या बहुत ज्यादा दिखाई देती है, ऐसा आरोप एडवोकेट विनोद तिवारी ने किया है। इस संबंध में एडवोकेट विनोद तिवारी ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को व सीताराम कुंटे आईएएस कार्यकारी अध्यक्ष राज्य आपदा प्राधिकरण प्रबंधन समिति तथा मुख्य सचिव महाराष्ट्र सरकार मंत्रालय, मुंबई को निवेदन भेजा है। इस जांच से राज्य में जिन मरीजों में कोई लक्षण नहीं है ऐसे हजारों - लाखों लोग जांच के दायरे में आ जाते हैं। अगर एक कोरोना पॉजिटिव आता है, तो उसके परिवार के लोगों को दवाखाना में ले जाकर भर्ती कर दिया जाता है। इससे हॉस्पिटल के बेड और अन्य सामग्री की कमी महसूस होने लगती है। लूट भी मची है। ऐसी शिकायतें लगातार मिल रही हैं। ऐसे भी मरीज होते हैं जिनको भर्ती करने की कोई

आवश्यकता नहीं होती, ऐसे कथित मरीज कई दिन जबरदस्ती हॉस्पिटल में भर्ती रहते हैं, जिसके कारण उनके परिवार के लोग दहशत में रहते हैं। परिवार के लोग भी रिस्क लेने को तैयार नहीं रहते। यह आंतरिक तनाव गलत नीतियों की वजह से निर्मित हो रहा है। यह अनुभव महाराष्ट्र में कई मरीज व उनके परिवारों को हो चुका है। एडवोकेट विनोद तिवारी ने आगे बताया कि सरकारी आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, बिहार, तेलंगाना आदि राज्य में कोरोना टेस्ट महाराष्ट्र की अपेक्षा कम किए जा रहे हैं। इसी वजह से वहां पर पेशेंट्स की संख्या भी कम आ रही है।

अपने राज्य में कोई पेशेंट अन्य बीमारी से होते हुए कोरोना पॉजिटिव होकर मृत हो जाए तो उसको रोना मृत्यु में शामिल किया जाता है। जिससे संताप जनक स्थिति सिर्फ महाराष्ट्र में उत्पन्न हो रही है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार और गुजरात जहां लोक संख्या ज्यादा है इसके बावजूद इन राज्यों में टेस्ट कम होने के कारण आंकड़े काफी कम दिखाई दे रहे हैं। इस तुलना में महाराष्ट्र राज्य कोरोना पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रहा है। ऐसा प्रचार विरोधक कर रहे हैं जिससे राज्य सरकार की बेईज्जती हो रही है। ऐसा भी अपने निवेदन में एडवोकेट तिवारी ने कहा है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रत्येक राज्य में जनसंख्या के आधार पर एक समान मापदंड नीति नहीं है। समान नीति के आधार पर टेस्ट किया जाए तो सभी राज्य के सही आंकड़े समझ में आएंगे। इसके लिए केंद्र सरकार पर दबाव लाकर न्याय दिलाना चाहिए, ऐसा मत एडवोकेट विनोद तिवारी ने व्यक्त किया है।

अन्य राज्यों में टेस्ट कम होन के कारण मरीजों की संख्या कम आ रही है। मृत्यु दर कोरोना में कम दिखाए जा रहे हैं। इसके विपरीत महाराष्ट्र राज्य में टेस्ट अधिक होने के कारण और कई अस्पतालों में बिना लक्षणों वाले मरीज को जबरदस्ती कोरोना पॉजिटिव बनाया जा रहा है, उनको दहशत में लाया जा रहा है। हॉस्पिटल

के दुश्चक्र में फंसाया जा रहा है। अन्य बीमारी से मारे गए मरिजो को भी कोरोना का शिकार बनाया जा रहा है। इसकी वजह से महाराष्ट्र में कोरोना मृत्यु दर का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है। आज यह एक शोकांतिका बन गई है। राष्ट्रीय स्तर पर एक मापदंड होना आवश्यक है। इसके पीछे एक प्रमुख कारण यह भी है कि राष्ट्रीय नीति कोरोना को लेकर नहीं बनाई गई है। कोरोना टेस्ट जांच के बाबत राष्ट्रीय स्तर पर प्रत्येक राज्य में जनसंख्या के आधार पर किया जाना चाहिए। इस संबंध में केंद्र सरकार से भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 व 21 के अनुसार मांग की जा सकती है। यह बातें एडवोकेट विनोद तिवारी ने मुख्यमंत्री को अपने निवेदन में कहा है। जिस तरह से वर्तमान में राज्यों में जांच कम की जा रही है एवं महाराष्ट्र में उसी आधार पर व लोगों को जबरदस्ती कोरोना पॉजिटिव न किया जाए जिनमें कोई लक्षण ना हो ऐसे लोगों को डराकर दवाखाना हॉस्पिटल ना भरे जाए। यह एक गलत निर्णय साबित हो सकता है, इसे ताबड़तोड़ रुकवाने की आवश्यकता है। जिस पद्धति से उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, तेलंगाना व गुजरात राज्य में टेस्ट कम किया जा रहा है, ऐसा ही नियम महाराष्ट्र में भी अपनाकर कोरोना के हाहाकार को रोका जा सकता है।महाराष्ट्र में कोरोना ने हाहाकार मचा दिया है, ऐसा चित्र देश और दुनिया के सामने प्रस्तुत किया जा रहा है। इससे देश और दुनिया के सामने महाराष्ट्र की नाहक बदनामी हो रही है, ऐसा भी विनोद तिवारी ने अपने निवेदन में कहा है।

आरपीएफ ने 12 माह में बचाए 141 घर से भागे बच्चे

मुंबई : मुंबई डिवीजन के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने पिछले 12 महिनों में मध्य रेल, मुंबई के स्टेशनों के प्लेटफार्मों से 141 बच्चों को बचाया है। इन बच्चों को उनके घरों में भेज दिया गया और उनके माता-पिता के साथ फिर से मिलाया है। अप्रैल 2020 से मार्च 2021 तक, मुंबई डिवीजन के रेलवे सुरक्षा बल ने 141 बच्चों को बचाया है, जिसमें मध्य रेल ,मुंबई के स्टेशनों के प्लेटफार्मों से 92 लड़के और 49 लड़कियां शामिल हैं और चाइल्डलाइन जैसे एनजीओ की मदद से अपने माता-पिता के साथ पुनर्मिलन

किया। पिछले पांच वर्षों में यानि 2016 से 31 मार्च 2021 तक, मध्य रेल के मुंबई डिवीजन ने अब तक 1874 बच्चों को बचाया है। इन 141 बच्चों में से अधिकांश अपने परिवार से बिना किसी लड़ाई, या कुछ पारिवारिक मुद्दों या बेहतर जीवन या ग्लैमर की खोज में बिना कारण बताए शहर आ गए। ये बच्चे प्लेटफॉर्मों या रेलवे स्टेशनों के पास घूमते पाए गए। ये बच्चे जब पाए गए, प्रशिक्षित रेलवे सुरक्षा बल बच्चों के साथ घुल मिलकर, उनकी भावनाओं/समस्याओं को समझता है और उन्हें उनके माता-पिता के साथ पुनर्मिलन करने के लिए सलाह देता है, इस प्रकार एक काउंसलर के रूप में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि वे अपने चिंतित माता-पिता तक पहुंचते हैं।

आगामी आकर्षण

सेक्स रैकेट चलाने वाली चेंबुर उपनगर की निवासी नवी मुंबई के सी.बी.डी. बेलापुर में फैला रही है कोविड-१९ एवं अनेक जानलेवा शारीरिक बीमारियां और कर रही है कई घरों को बरबाद। खुलेआम स्पा / मसाज पार्लर के धंदे के आड़ में शामिल व्यापारी, सरकारी और पुलिस के आशिर्वाद से चल रहे सेक्स रैकेट का पर्दाफाश! **अपना अंक आरक्षित करें....।**

संपादकीय

आर्थिक सहायता की मांग

महाराष्ट्र में कोरोना के रोगियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, राज्य सरकार प्रदेश में सप्ताहांत लॉकडाउन सहित कुछ प्रतिबंध लगा रही है, लेकिन आम आदमी को होने वाले वित्तीय नुकसान का क्या होगा और इससे सामान्य लोगों को होनेवाले नुकसान की भरपाई के लिए राज्य सरकार आर्थिक सहायता की घोषणा क्यों नहीं करती? भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत दादा पाटिल ने राज्य सरकार से यह सवाल किया है। लॉकडाउन व विभिन्न प्रतिबंधों पर राज्य सरकार के निर्णय की पृष्ठभूमि में रविवार को पाटिल कहा कि कोरोना रोकने में सरकार फेल रही है एवं कोरोना से पैदा हुए खराब हालात में लोगों की सहायता करने में तो वह और भी फेल रही है। कोरोना की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने के लिए, राज्य सरकार ने रविवार को सप्ताहांत लॉकडाउन व रोजमर्रा की जिंदगी पर कुछ प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है, जिसमें रात 8 बजे के बाद कर्फ्यू भी शामिल है। भाजपा अध्यक्ष पाटिल ने कहा है कि राज्य सरकार के इस फैसले से आम आदमी, रोज कमाने, खानेवालों व जरूरतमंद लोगों को भारी आर्थिक नुकसान होने वाला है। जो लोग दिन भर कमाते हैं और उसी कमाई से शाम को खुद खाते हैं व अपने परिवार को खिलाते हैं, उनको अपनी जिंदगी की गाड़ी चलाने में मुश्किलें आएंगी, क्योंकि लॉकडाउन व प्रतिबंधों से सबसे पहले उनको ही बड़ा आर्थिक नुकसान होगा। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पाटिल ने कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस से सहयोग की अपील की थी। चूंकि मुख्यमंत्री राज्य के प्रमुख होते हैं, इसलिए उनके फैसले को स्वीकार करना होता है, लेकिन इसके साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस द्वारा दी गई सलाहों को भी सरकार को मानना चाहिए एवं राज्य सरकार द्वारा जारी बिजली कटौती आदेश को स्थगित करना चाहिए। इसके अलावा, राज्य सरकार के विभिन्न प्रतिबंधों के कारण फेरीवालों, गृहिणियों, रिक्शा चालकों आदि को जो नुकसान होगा, उसकी भरपाई के लिए सरकार को उन्हें आर्थिक सहायता की घोषणा क्यों नहीं करती है? पाटिल ने कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भले ही यह कहा कि सरकार की प्राथमिकता कोरोना से लोगों की सुरक्षा करना है, लेकिन पाटिल ने यह सवाल भी किया कि कोरोना से लोगों की रक्षा करते हुए, जो रोजगार का नुकसान हो रहा है व उससे पैदा हुई भुखमरी से जो लोग मर गए, इसके लिए कौन जिम्मेदार है?

फिल्मों में यूज होने वाले नकली नोटों से पुलिस ने खरीदे 500 किलो ड्रग्स, जानें फिर क्या हुआ

ड्रग्स गैंग का भंडाफोड़ करने के लिए बेंगलुरु पुलिस ने खुद ड्रग्स माफिया के रूप में पेशकर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। बेंगलुरु पुलिस ने शुक्रवार को 500 किलोग्राम मारिजुआना (गांजा) की खेप के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया। इस गांजे की खेप की कीमत करीब 1.5 करोड़ है। ये तीनों आरोपी राजस्थान के रहने वाले हैं, जो बेंगलुरु में गांजा ट्रक में भरकर लाए थे।

यहां मजेदार बात ये है कि पुलिस ने एक स्टूडियो से 500 किलोग्राम मारिजुआना खरीदने के लिए पहले फिल्मों में उपयोग की जाने वाली फेक करेंसी की खरीद की थी। इस ऑपरेशन में भाग लेने वाले एक अधिकारी ने कहा कि स्टूडियों से खरीदी गई 2,000 के नोट एकदम असली दिख रहे थे लेकिन सभी नोटों पर एक ही सीरियल नंबर था।

ऑपरेशन के बारे में बताते हुए बेंगलुरु के पुलिस कमिश्नर कमल पंत ने हिन्दुस्तान टाइम्स को बताया कि व्हाइटफील्ड डिवीजन के अधिकारियों को एक विस्तृत जांच करने के लिए कहा गया क्योंकि इलाके में ड्रग की सप्लाई काफी अधिक हो रही थी। उन्होंने कहा, ह्यहमारे अधिकारियों ने कुछ ड्रग्स पेडलर्स की पहचान की, मगर वे स्त्रोत तक पहुंचना चाहते थे। इसलिए उन्होंने कुछ ड्रग्स पेडलर्स को इस बात के लिए मनाया कि उन्हें ड्रग्स सप्लायरों के सामने पेश किया जाए और उनके साथ मीटिंग फिक्स करवाई जाए।

जल्द ही पेडलर्स ने सप्लायरों के सामने पुलिस को ड्रग्स पेडलर्स के रूप में पेश किया, यह कह कर कि ये बहुत बड़े ग्राहक हो सकते

हैं। पहली मीटिंग में सप्लायरों ने मारिजुआना की मात्रा के बारे में पुलिस से पूछा कि वे क्या खरीदना चाहते हैं। पंत ने कहा कि क्योंकि हम अधिक से अधिक ड्रग्स जब्त करना चाहते थे, इसलिए हमारी टीम ने सप्लायरों से पूछा कि वे कितना दे सकते हैं, वे उतना लेंगे। हमारी टीम ने उन्हें यह भी बताया कि पैसे की कोई दिक्कत नहीं है और वे एक टन ड्रग्स खरीदने के लिए तैयार थे। पंत ने कहा कि आपूर्तिकताओं ने खरीदारी से पहले पैसा दिखाने को कहा।

अंडरकवर पुलिस ने अगली मीटिंग में नकदी दिखाने का वादा किया। इसके बाद पुलिस ने एक करोड़ रुपए की व्यवस्था के लिए एक फिल्म स्टूडियो से संपर्क करने की योजना बनाई। इस ऑपरेशन में शामिल एक अधिकारी ने कहा कि हमने बेंगलुरु में एक फिल्म स्टूडियो से संपर्क किया और उनसे 1 करोड़ रुपए के नकली नोट देने के लिए कहा। नकली नोट एकदम असली लग रहे थे।

इसके बाद इन नकली नोटों को एक गहरे भूरे रंग के सूटकेस में भरा गया और ड्रग्स सप्लायरों के साथ दूसरी बैठक में दिखाया गया। अधिकारी ने कहा कि हमारी सबसे बड़ी चिंताओं में से एक यह था कि कहीं सप्लायर्स बारीकी से नोट को न देख लें, क्योंकि सबके सीरियल नंबर एक जैसे ही थे। मगर बैठक एकदम अच्छे से चली और वे 500 किलोग्राम गांजा (मारिजुआना) लाने पर सहमत हो गए।

बैठकों के बाद गुरुवार को गांजे की खेप शहर के एक ट्रक में आ गई। ड्रग्स को सौंपने के लिए बेंगलुरु के के. आर पुरम में शुक्रवार सुबह एक बैठक आयोजित की गई। पंत ने कहा कि उन्होंने ड्रग्स कैसे पहुंचाया यह भी हमारे लिए एक रहस्योद्घाटन था। उन्होंने ड्राइवर की सीट के पीछे एक गुप्त कम्पार्टमेंट बनाया था और बाकी ट्रक अन्य सामानों से भरा था।

पुलिस ने आपूर्तिकताओं को यह किसी तरह समझाया कि लेन-देन एक बंद वातावरण में होना चाहिए और केआर पुरम के एक गोदाम में ड्रग्स सप्लायरों को आने के लिए कहा। जब वे बताए गए जगह पर पहुंचे और छिपे हुए गांजे को दिखाया तो पुलिस ने उन लोगों को पकड़ लिया और ड्रग्स को कब्जे में ले लिया।

पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया, जिनकी पहचान दयाल राम (38) पूना राम (24) और बुध राम (23) के रूप में हुई है जो सभी राजस्थान के रहने वाले हैं। आयुक्त ने कहा कि वे इन आरोपियों के अन्य सहयोगियों की तलाश में हैं।

जानिए कितनी होती है सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की सैलरी, पहले के मुकाबले बढ़ी है

चीफ जस्टिस एसए बोबडे ने देश के 48 वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में जस्टिस एनवी रमना की सिफारिश सरकार को भेजी है. दरअसल जस्टिस बोबडे का कार्यकाल 23 अप्रैल को पूरा हो जाएगा. फिर देश को नए उखक की नियुक्ति करनी होगी. इसलिए उखकबोबडे ने जस्टिस रमना का नाम दिया है. वहीं अगर सरकार ये सिफारिश मान लेती है तो 24 अप्रैल को देश को उसका नया उखक जस्टिस रमना के रूप में मिल जाएगा. वैसे रमना 17 फरवरी 2014 को सुप्रीम कोर्ट के जज बने थे. वहीं हैरान करने वाली बात ये है कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी ने हाई कोर्ट में जस्टिस रमना के दखल करने को लेकर शिकायत की थी. लेकिन अब जब खुद उखक बोबडे ने उनके नाम की सिफारिश की है तो साफ है कि उन्होंने शिकायत को खारिज कर दिया है.

पिछले साल कानून मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जजों की सैलरी में करीब 200 फीसदी तक की बढ़ोत्तरी की थी. इस बढ़ोत्तरी के बाद उखक की सैलरी अब 2,80,000 रुपए प्रति महीना हो गई है. जबकि पहले उखक की सैलरी 1 लाख रुपए महीने थी.

जस्टिस एनवी रमना का जन्म 27 अगस्त 1957 को आंध्र प्रदेश में कृष्ण जिले के पोन्नवरम गांव में हुआ था. वो पहली बार 10 फरवरी 1983 को वकील बने थे. रमना को 27 जून 2000 को आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के स्थायी जज के रूप में नियुक्त किया गया था. इसके बाद उन्होंने 10 मार्च 2013 से 20 मई 2013 तक आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में काम किया था.

मुंबई का वसूली किंग था वाझे, ऐसे चलता था राज

मुंबई : मुंबई में अंडरवर्ल्ड की दहशत जब अपने चरम पर थी, तब माफिया सरगना किसी शूटआउट के तुरंत बाद शहर के तमाम बड़े व्यापारियों को फोन करते और पूछते, ह्यखबर देखी क्या? आज हमने जिसकी सुपारी दी थी, वह टपक गया। कल तुम्हारा भी नंबर आएगा।ह्ल सामने वाला डर जाता और सरगना को उसकी बताई जगह और बताए पंटर तक हफ्ता पहुंचा देता था। मुंबई पुलिस के गिरफ्तार असिस्टेंट इंस्पेक्टर सचिन वाझे की कहानी भी बहुत कुछ ऐसी ही है। उसकी गिरफ्तारी के बाद इस एनकाउंटर स्पेशलिस्ट से जुड़े कि स्से कोई और नहीं, खुद पुलिस महकमे में काम करने वाले लोग ऑन और ऑफ रेकॉर्ड मीडिया को बता रहे हैं।

मुंबई में गुटखा का सेवन और उसकी बिक्री, दोनों अवैध है। फिर भी गैर कानूनी तरीके से गुटखे का अवैध कारोबार चलता ही रहता है। एक अधिकारी ने बताया कि कई हफ्ते पहले सचिन वाझे ने मुंबई में एक इलाके में रेड डाली और वहां से कई लाख रुपये का गुटखा जब्त कर लिया। उसके बाद कई गुटखा व्यापारियों ने मीटिंग की और सचिन वाझे से संपर्क किया। फिर वाझे के पास जाकर अपना रजिस्ट्रेशन कराया। इस रजिस्ट्रेशन का मतलब था कि अब से उनके यानी गुटखा व्यापारियों के ठिकानों पर रेड नहीं पड़ेगी। रजिस्ट्रेशन अमूमन लीगल काम के लिए होता है। किसी काम का रजिस्ट्रेशन कराने का मतलब ही होता है कि सब कुछ नियमानुसार ही हुआ है। किसी नियम का उल्लघंन नहीं किया गया। लेकिन सचिन वाझे के यहां वैध कामों नहीं, अवैध कामों के लिए ही रजिस्ट्रेशन होता था।

जब पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह ने महाराष्ट्र के गृहमंत्री अनिल देशमुख पर वाझे के जरिये हर महीने सौ करोड़ रुपये की उगाही का आरोप लगाया तो उन्होंने मुंबई में होटल, बीयर बार और रेस्तरां की संख्या 1750 बताई थी। मुंबई पुलिस के एक भरोसेमंद अधिकारी के मुताबिक, ह्यहमें यह तो पता नहीं कि ये सभी 1750 प्रतिष्ठान वाझे को हर महीने हफ्ता देते थे या नहीं, लेकिन इतनी जानकारी जरूर है कि इनमें से कई ने उसके पास अपना रजिस्ट्रेशन करवा रखा था। यही नहीं, कई क्रिकेट बुकी, मटका यानी जुआ व्यापारी, अवैध कॉल सेंटर चलाने वालों का भी वाझे के यहां रजिस्ट्रेशन जरूरी था।ह्ल

पंजीकरण के लिए कोई फॉर्म वगैरह नहीं भरना पड़ता था। बस, सचिन वाझे की डायरी

में सामने वाले का नाम नोट हो जाता। गिरफ्तारी के बाद एनआईए वाझे के दफ्तर से ऐसी एक डायरी लेकर भी गई है। एक अधिकारी के अनुसार, उन्हें पता चला है कि रजिस्ट्रेशन कराते वक्त वाझे एक बार में सिक्योरिटी डिपॉजिट के रूप में पांच से दस लाख रुपये या इससे भी ज़्यादा रकम लेता था और फिर हर महीने के लिए अलग रकम फिक्स कर देता। कई बार यह रकम खुद लेने जाता था। कई बार लोग उस तक एक फिक्स तारीख पर रुपये पहुंचा देते।

दक्षिण मुंबई के एक व्यापारी की ओर से उसके लिए एक फाइव स्टार होटल में 100 दिनों की बुकिंग की कहानी सबके सामने है। एनआईए ने उस व्यापारी का बयान भी लिया है, पर मुंबई पुलिस के ही एक अधिकारी ने बताया कि वाझे के पास रजिस्ट्रेशन कराने वाले तमाम व्यापारी उसके ही कहने पर दक्षिण मुंबई के एक और पांच सितारा होटल में दो से तीन घंटे की मीटिंग के लिए जगह बुक कराते थे। वाझे मीटिंग के बहाने आधे घंटे वहां जाता, संबंधित व्यापारी या व्यापारियों से कलेक्शन लेता और फिर पुलिस मुख्यालय आ जाता। कई व्यापारी सीधे उसके ऑफिस जाकर भी हफ्ता देते थे। ऐसी ही रकम देने एक होटल व्यापारी तीन मार्च को वाझे के ऑफिस में गया था। उस व्यापारी का दावा है कि उसने हिरेन मनसुख को वाझे और कुछ अन्य अधिकारियों के साथ वहां देखा था। इसके अगले दिन 4 मार्च को रात में हिरेन को अगवा कर लिया गया और 5 मार्च को उनकी लाश मिली।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फणडवीस ने 5 मार्च को जब विधानसभा में यह बात सबसे पहले कही कि सचिन वाझे लगातार हिरेन मनसुख के संपर्क में था, तब असिस्टेंट इंस्पेक्टर ने इसका खंडन किया। वाझे ने मीडिया से कहा था कि वह मनसुख को जानता जरूर था, लेकिन हाल के दिनों में उससे कभी मिला नहीं। बाद में पता चला कि वाझे ने हिरेन से अपनी हाल की मुलाकातों के सारे सबूत नष्ट करने की कोशिश की। कुछ सबूतों को मुंबई की मीठी नदी में फेंक दिया। कुछ ऐसे ही सबूत एनआईए ने नदी से वापस बरामद किए। इनमें उसका लैपटॉप, औरंगाबाद के एक क्लर्क विजय नाडे की नवंबर में चोरी हुई गाड़ी की नंबर प्लेट, वाझे की ठाणे की हाउसिंग सोसायटी और मुंबई पुलिस मुख्यालय, जहां वाझे का ऑफिस था, वहां के कुछ डीवीआर शामिल थे।

एक पुलिस अफसर ने बताया कि मुंबई पुलिस मुख्यालय में सचिन वाझे का ऑफिस चौथी मंजिल पर था। पांचवीं मंजिल पर पुलिस कंट्रोल रूम है। यहां से पूरे शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों के जरिए नजर रखी जाती है। पुलिस मुख्यालय में किसी भी मंजिल पर पहुंचकर अंदर जाने के लिए बाहर बैठे सिपाही को अपना आईकार्ड दिखाना पड़ता है। साथ ही बाहर रखे रजिस्टर में एंट्री करना जरूरी है। जिलेटिन केस के बाद जब एक सिपाही ने सचिन वाझे से अपना आईकार्ड दिखाने और रजिस्टर में नाम लिखने को कहा, तो वह गुस्सा हो गया। वाझे ने उस सिपाही को बुरी तरह हड़काया था। अधिकारी के मुताबिक, ह्यवाझे ने सिपाही से पूछा कि क्या तुम वाकई मुझे नहीं पहचानते? सिपाही ने नहीं में जवाब दिया। तब वाझे ने उसे अपना नाम बताया और कहा कि गूगल में सर्च करो और दिमाग में अच्छी तरह से बैठा लो। इसके बाद कभी मुझसे मेरा नाम पूछने का नहीं। सिपाही डर गया। उसे लगा कि वाझे कोई डीसीपी है।'

कपड़े के लिए मोहताज हुए पाकिस्तानी

भारत से इस प्रतिबंध को हटाने की लगाई गुहार

इस्लामाबाद. पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की अध्यक्षता में कपड़ा मंत्रालय ने देश के कपड़ा क्षेत्र में कच्चे माल की कमी को पूरा करने के लिए भारत सरकार से कपास के आयात पर प्रतिबंध हटाने की सिफारिश की है. एक मीडिया रिपोर्ट में मंगलवार को यह जानकारी दी गई.

सरकारी सूत्रों के हवाले से कहा है कि कपड़ा उद्योग मंत्रालय ने भारत से कपास और सूती धागे के आयात पर प्रतिबंध हटाने के लिए कैबिनेट की आर्थिक समन्वय समिति (ईसीसी) से अनुमति मांगी है. एक अधिकारी ने कहा कि हमने प्रतिबंध हटाने के लिए ईसीसी से एक सप्ताह से अधिक समय पहले लिखित अनुरोध किया था.

पाकिस्तानी अधिकारी ने बताया कि समन्वय समिति के

निर्णय को औपचारिक अनुमोदन के लिए संघीय मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा. प्रधानमंत्री ने वाणिज्य एवं कपड़ा मंत्रालय के प्रभारी के रूप में इस आवेदन को इसीसी के समक्ष प्रस्तुत करने की मंजूरी दे दी है. वहीं, पाकिस्तान में कपास की कम पैदावार की वजह से भारत से कपास आयात का मार्ग प्रशस्त हुआ है.

कपास और यार्न की कमी के कारण, पाकिस्तान में उपयोगकताओं को संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्राजील और उजबेकिस्तान से कपास का आयात करने के लिए मजबूर होना पड़ा था. भारत से कपास का आयात बहुत सस्ता बैठेगा और यह तीन से चार दिनों के भीतर पाकिस्तान पहुंच जाएगा. बाकी देशों से कपास धागे का आयात करना न केवल महंगा है, बल्कि पाकिस्तान तक पहुंचने में एक से दो महीने का समय भी लगता है.

मनसुख हीरेन की हत्या के वक्त मौजूद था सचिन वाजे : ATS सूत्र

मुंबई : मुंबई में मनसुख हीरेन की हत्या में बड़ा खुलासा होता दिख रहा है. मनसुख हीरेन की हत्या के आरोप में अळर दो लोगों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है. अळर सूत्रों की मानें तो 4 मार्च की रात मनसुख की हत्या के वक्त सचिन वाजे भी मौजूद था. 4 मार्च की शाम के जीपीओ और सीएसटी से मिले सीसीटीवी फुटेज से पता चल रहा है कि शाम 07.01 बजे वझे एक वाहन की तरफ जाते दिख रहा है. अळर सूत्रों के मुताबिक, सचिन वाजे मनसुख से मिलने निकला था. रात 8.29 बजे मनसुख को व्हाट्सएप कॉल किया और उन्हें बुलाया.

इसके बाद में सचिन वाजे मनसुख को घोड़बंदर रोड पर गौमुख के पास ले गए. वहां पर लगभग 30 मिनट के लिए दोनों

का लोकेशन एक साथ मिला है. शक है कि वहीं पर मनसुख की हत्या की गई. उसके बाद वझे वापस मुंबई पुलिस मुख्यालय की तरफ चला गया.

अन्य आरोपियों ने बाद में शव मुम्ब्रा रेती बंदर में फेंक दिया और मनसुख का फोन नष्ट कर सिम कार्ड जांन-बूझकर वसई में तुंगारेश्वर के पास चालू किया. अळर का मानना है कि ये जान-बूझकर जांच को भटकाने के लिए किया गया.

वहीं एंटीलिया मामले में सचिन वाजे का एक और सीसीटीवी सामने आया है. 2 मार्च 2021 के इस सीसीटीवी में सचिन वाजे एक ऑडी कार चला रहा है. बांद्रा वर्ली सी-लिंक के टोल प्लाजा की सीसीटीवी में ऑडी कार का वीडियो कैद हुआ है. खास बात है कि कार में सचिन वाजे के साथ मनसुख की हत्या का आरोपी विनायक शिंदे भी बैठा है. इसी के दो दिन बाद मनसुख हीरेन की हत्या की गई. ठक्अ ने वसई से ये ऑडी कार बरामद की है.

महाराष्ट्र क्राईम्स

मुंबई, 05 अप्रैल 2021

बाराबंकी में मुख्तार के 'मुख्तार' की तलाश तेज, करीबी हिस्ट्रीशीटर हिरासत में

बाराबंकी, एंबुलेंस प्रकरण में मऊ की डॉ. अलका राय पर मुकदमा के बाद पुलिस ने एक हिस्ट्रीशीटर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इसका नाम लखनऊ के बहुचर्चित जेलर हत्याकांड में कुख्यात मुख्तार अंसारी के शूटर के रूप में सामने आया था। इसके अलावा इसके गिरोह से जुड़े रहे छह अन्य सदस्यों की तलाश में पुलिस जुटी हुई है। पुलिस की यह कार्रवाई जनपद में मुख्तार के ह्यमुख्तारह्ल की तलाश से जोड़कर देखी जा रही है। इससे पुलिस को अहम सुराग मिलने की उम्मीद है।

हिरासत में लिए गए हिस्ट्रीशीटर का सियासत से भी नाता रहा है। करीब डेढ़ दशक पहले वह बंकी ब्लाक का ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख रहा है और एक पूर्व मंत्री का करीबी बताया जाता है। बताया यह भी जाता है कि वह लंबे समय तक बसपा से जुड़ा रहा है। इसके अलावा रियल इस्टेट का कारोबारी भी है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सत्ता जनसेवा का माध्यम है, स्वार्थ साधने का नहीं।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा- मठ-मंदिरों से जुड़े लोगों को उजाड़ने की सरकार की चेष्ठा शर्मनाक

ह्यपुलिस टीम जिले में मुख्तार के करीबियों की तलाश में जुट गई है। फर्जी दस्तावेज लगाकर पंजीयन कराने से स्पष्ट है कि उसका कोई करीबी यहां सक्रिय रहा है। इसी क्रम में नगर कोतवाली पुलिस सिविल लाइंस के शुएब किदवई उर्फ बाबी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इसके गिरोह से जुड़े अन्य लोगों को भी कार्रवाई की जद में लाया जाएगा। - यमुना प्रसाद, पुलिस अधीक्षक।

- एक अप्रैल को पंजाब के कोर्ट में मुख्तार अंसारी को ले जाने के बाद चर्चा में आई बाराबंकी नंबर की एंबुलेंस
- देर रात मऊ की डा. अलका राय के खिलाफ फर्जी दस्तावेज तैयार करवाकर पंजीयन कराने का मुकदमा
- तीन अप्रैल को पुलिस की टीमें मऊ और पंजाब के लिए रवाना
- चार अप्रैल को पुलिस ने मुख्तार के करीबी बताए जा रहे हिस्ट्रीशीटर को हिरासत में लिया

वृद्ध महिला हत्या मामले में आरोपी गिरफ्तार

विरार : पश्चिम के विराट नगर इलाके में दिसम्बर 2019 में हुई 63 वर्षीय वृद्ध महिला की हत्या की गुत्थी सुलझा ली है। पुलिस ने बुधवार को फरार मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार पश्चिम के विराट नगर स्थित ग्रीष्मम कॉ. हॉ. सोसायटी निवासी मनीषा डोंबल (63) अपने पति मनोहर डोंबल व भतीजी निशा के साथ रहती थी। मनोहर डोंबल काम पर जबकि निशा कालेज चली गई थी। मनीषा डोंबल घर पर अकेली थी। उसी दौरान दूर का रिश्तेदार विनोद पडवी अपने दो दोस्त यश प्रभाकर इदवन्तकर व विनयकुमार के साथ घर आया। वृद्ध महिला के छाती व गले पर चाकू से वार कर मौत के घाट उतार दिया। घर से लगभग 7 लाख 28 हजार रुपये का ज्वेलर्स व नकदी लेकर फरार हो गये थे।

विरार पूर्व स्थित चंदनसार रोड पर टैंकर की चपेट में आने से युवक की मौत

विरार : विरार पूर्व स्थित चंदनसार रोड पर टैंकर की चपेट में आने से एक 28 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि एक अन्य शख्स घायल हो गया। जानकारी के अनुसार पूर्व के चंदनसार रोड पर टैंकर की चपेट मे आने से केतन पाटिल नामक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि केतन घटना की दोपहर अपने दोस्त के साथ बाइक पर सवार होकर अपने घर जा रहा था। उसी बीच वह अपने वाहन से नियंत्रण खो दिया तो उसकी दुपहिया वाहन डिवाइडर से जा टकराई तब उसका वाहन आगे बढ़ गया और वे दोनों नीचे गिर गए, इस बीच केतन पीछे से आ रहे एक टैंकर के पहिए के नीचे आ गया और उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई तथा उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने टैंकर चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

नहाने गए दो लोगों की डूबने से मौत

वसई : वालीव पुलिस स्टेशन अंतर्गत चिंचोटी तालाब में नहाने गए दो लोगो की डूबने से मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार पूर्व के चिंचोटी इलाके के पाटील पाडा का रहनेवाला मुक्तार दयाराम भारती (36) और पातूल मुक्तार भारती (16) नजदीक के चिंचोटी तालाब में नहाने गए थे। जहां नहाते वक्त तालाब में डूबने से दोनो की मौत हो गई। मौके पर पहुँचकर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अंबानी सुरक्षा मामला: एनआईए ने होटल की तलाशी ली

मुंबई : राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के पास से बरामद एसयूवी जिसमें विस्फोटक रखे थे और उद्योगपति मनसुख हिरेन की मौत के मामले में बृहस्पतिवार को दक्षिण मुंबई के एक होटल और एक क्लब की तलाशी ली। अधिकारियों ने बताया कि एनआईए का एक दल दोपहर करीब पौने एक बजे बाबुलनाथ मंदिर के पास ह्यसोनी बिल्डिंगह्ल में बने एक होटल और क्लब में पहुंचा। अधिकारियों ने बताया कि होटल में मौजूद लोगों और कर्मचारियों को परिसर खाली करने को कहा गया। अधिकारी ने बताया कि छापेमारी के दौरान एनआईए के कर्मचारियों ने क्लब और होटल में कुछ लोगों से पूछताछ की। जांच दल तीन घंटे से अधिक समय बाद वहां से रवाना हुआ। गामदेवी थाने के कुछ अधिकारी भी वहां मौजूद थे, क्योंकि यह इलाका इसी थाने के तहत आता है। जांच एजेंसी मामले में अपनी जांच के सिलसिले में मुम्बई पुलिस के निलंबित अधिकारी सचिन वझे को हाल ही में बाबुलनाथ इलाके में लेकर आई थी। अंबानी के घर के पास एक एसयूवी से जिलेटिन की छड़ें बरामद होने के बाद से वझे एनआईए की जांच के घेरे में आए थे। वझे को 13 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। एनआईए द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद वझे को निलंबित कर दिया गया था। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने बुधवार को दावा किया था कि उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास के निकट एक वाहन में मिली जिलेटिन की छड़ों की खरीद मुंबई पुलिस के निलंबित अधिकारी सचिन वझे ने की थी।

धोखाधड़ी के मामले में पांच साल की सजा

ठाणे : ठाणे की एक अदालत ने एक निवेश फर्म के मालिक को निवेशकों से धोखाधड़ी करने के मामले में पांच साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। ठाणे जिला न्यायाधीश पी पी जाधव ने मंगलवार को यह फैसला सुनाया और इस फैसले की प्रति बृहस्पतिवार को उपलब्ध हुई है। उन्होंने भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) और महाराष्ट्र के जमाकताओं के हितों का संरक्षण (वित्तीय प्रतिष्ठानों में) कानून के तहत निवेश फर्म के मालिक को दोषी करार देते हुए उसपर 50 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया। मामले में दायर आरोप-पत्र के मुताबिक, आरोपी ने विभिन्न निवेशकों के साथ धोखाधड़ी की। नवी मुंबई के वाशी स्थित दोषी की इस कंपनी में 350 से अधिक लोगों ने पैसों का निवेश किया था।

देह व्यापार का गिरोह चलाने वाली महिला गिरफ्तार

ठाणे : ठाणे जिले के मीरा भायंदर में देह व्यापार गिरोह चलाने वाली 30 वर्षीय महिला को पुलिस ने गिरफ्तार किया और एक लड़की तथा दो महिलाओं को मुक्त कराया। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को इस बारे में बताया। शिकायत के आधार पर मीरा भाईंदर वसई विरार (एमबीवीवी) पुलिस ने मंगलवार को मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर एक ढाबे पर छापा मारा और महिला को गिरफ्तार किया जिसकी पहचान निशा उर्फ अमरजीत जसवंत सिंह कौर के तौर पर हुई। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान पुलिस ने एक लड़की और दो महिलाओं को मुक्त कराया। पुलिस ने कौर तथा मामले में वांछित एक अन्य महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया है। काशीमीरा थाना में भारतीय दंड संहिता की धारा 370 (मानव तस्करी) और अन्य आरोपों में मामला दर्ज किया गया।

कोरोना नियमों का उल्लंघन करने पर पूर्व नगरसेवक के खिलाफ मामला दर्ज

कल्याण : कल्याण पश्चिम परिसर में शिवसेना के पूर्व नगरसेवक की बेटी के विवाह समारोह में उपस्थित सैकड़ो लोगों की भीड़ के चलते प्रशासन द्वारा दिए गए कोरोना नियमों की गाइडलाइन का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ महात्मा फुले पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर किया है और आगे की कार्रवाई में की जा रही है। कल्याण-डोंबिवली मनपा क्षेत्र में कोरोना वायरस की दूसरी लहर नित नए रिकॉर्ड बना रही है। इस बार कोरोना का संक्रमण काफी तेजी से बढ़ रहा है। कल्याण-डोंबिवली शहर में पिछले कुछ दिनों से नए मरीज मिलने की रफ्तार यह बता रही है कि कल्याण- डोंबिवली में भी अब कोरोना बेकाबू होता जा रहा है। ऐसे समय में लापरवाही बरतना शहरवासियों के लिए भारी पड़ सकती है। लोगों की लापरवाही और कोरोना के प्रसार ने लोगों की चिंताएं बढ़ा दी है, लेकिन कल्याण पश्चिम के चिकणघर परिसर में शिवसेना के पूर्व नगरसेवक सुनील वायले और पूर्व नगरसेविका शालिनी वायले की बेटी की शादी थी।

इस शादी समारोह में सैकड़ों की संख्या में मेहमान आए थे। शादी समारोह में शासन-प्रशासन द्वारा निर्देशित कोरोना संबंधी सभी नियमों की धज्जियां उड़ाई गई। आश्चर्य की बात यह है कि जो कोरोना को रोकने दूसरों को उपदेश देते नजर आते हैं,

आरपीएफ मुंबई डिवीजन ने पिछले 12 माह में बचाए 141 घर से भागे बच्चे

मुंबई : मुंबई डिवीजन के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने पिछले 12 महिनों में मध्य रेल ,मुंबई के स्टेशनों के प्लेटफार्मों से 141 बच्चों को बचाया है। इन बच्चों को उनके घरों में भेज दिया गया और उनके माता-पिता के साथ फिर से मिलाया है। अप्रैल 2020 से मार्च 2021 तक, मुंबई डिवीजन के रेलवे सुरक्षा बल ने 141 बच्चों को बचाया है, जिसमें मध्य रेल ,मुंबई के स्टेशनों के प्लेटफार्मों से 92 लड़के और 49 लड़िकयां शामिल हैं और चाइल्डलाइन जैसे एनजीओ की मदद से अपने माता-पिता के साथ पुनर्मिलन किया। पिछले पांच वर्षों में यानि 2016 से 31 मार्च 2021 तक, मध्य रेल के मुंबई डिवीजन ने अब तक 1874 बच्चों को बचाया है। इन 141 बच्चों में से अधिकांश अपने परिवार से बिना किसी लड़ाई, या कुछ पारिवारिक मुद्दों या बेहतर जीवन या ग्लैमर की खोज में बिना कारण बताए शहर आ गए। ये बच्चे प्लेटफॉर्मों या रेलवे स्टेशनों के पास घूमते पाए गए। ये बच्चे जब पाए गए, प्रशिक्षित रेलवे सुरक्षा बल बच्चों के साथ घुल मिलकर,

उनकी भावनाओं/समस्याओं को समझता है और उन्हें उनके माता-पिता के साथ पुनर्मिलन करने के लिए सलाह देता है, इस प्रकार एक काउंसलर के रूप में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि वे अपने चिंतित माता-पिता तक पहुंचते हैं। बहुत से माता-पिता रेलवे सुरक्षा बल की इस अभूतपूर्व सेवा के लिए अपनी गहरी कृतज्ञता और कोटि-कोटि आभार व्यक्त करते हैं। एक घटना में, एक 14 वर्षीय नाबालिग लड़की अपने नागपाड़ा, मुंबई निवास से माता/पिता के डांटने पर भाग गई थी, जब वह डरी हुई सी सायन रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर 30 दिसंबर 2020 की आधी रात के लगभग 12.30 बजे घूम रही थी। आरपीएफ कांस्टेबल एस एन शिंदे ने आरपीएफ इंस्पेक्टर सुंदर सिंह प्रजापति के साथ इस भयभीत लड़की को घूमते हुए पाया। उससे पूछताछ करने पर पता चला कि वह अपने पिता के डर से घर से भाग गई थी, उसकी काउंसलिंग की, उसे आरपीएफ पुलिस स्टेशन, दादर ले गई। बाद में, आरपीएफ अधिकारियों के सिटी पुलिस के साथ समन्वय ने नाबालिग लड़की को उसके चिंतित माता-पिता से मिला दिया।

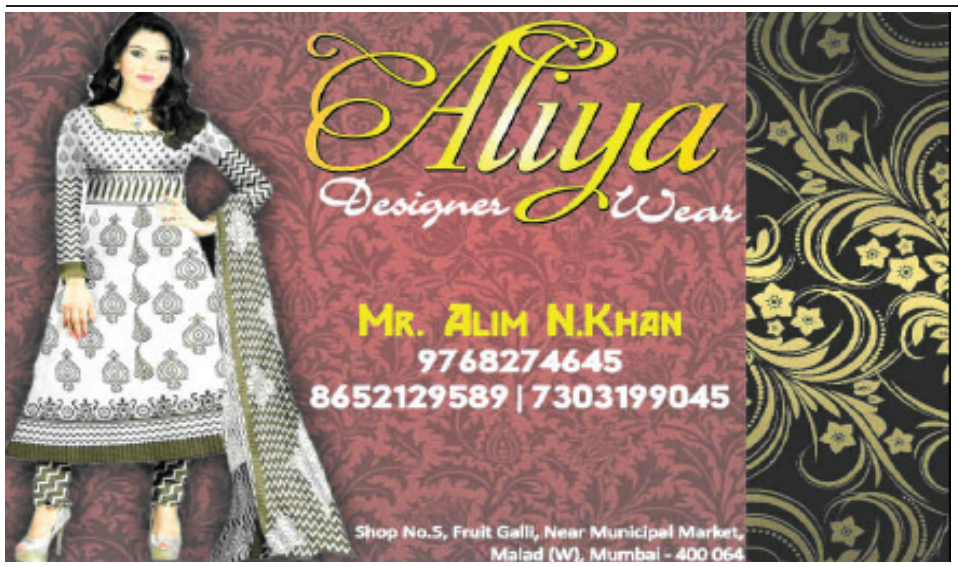

रायपुर में बांग्लादेश का विमान जो साढ़े पांच साल से एयरपोर्ट पर है खड़ा

जरा सोचिए! अगर एक कार घर के बाहर खुले में साढ़े पाँच साल तक खड़ी रहती है, कोई मेंटेनेंस नहीं होता है, तो क्या वो चलाने की स्थिति में रहेगी?

शायद आप कार को बेचने की सोचेंगे या उसकी मररम्मत करा कर इस्तेमाल लायक बनाएंगे. लेकिन अगर कार की जगह कोई विमान हो, और वो भी दूसरे देश का जो साढ़े पाँच साल से भारत में किसी एयरपोर्ट पर पड़ा हो तो....?

बांग्लादेश का एक यात्री विमान पिछले साढ़े पाँच साल से इसी तरह से रायपुर एयरपोर्ट पर खड़ा है. उसकी सुध लेने वाला कोई नहीं है. ऊपर से कंगाली में आटा गीला कहें, उन्हें डेढ़ करोड़ की पार्किंग फीस भी चुकानी है.

बांग्लादेश की यूनाइटेड एयरवेज ने रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट में खड़े अपने हवाई जहाज को बेचकर, एयरपोर्ट का लगभग डेढ़ करोड़ का पार्किंग शुल्क चुकाने का वादा किया है.

यूनाइटेड एयरवेज का यह हवाई जहाज पिछले 68 महीनों (साढ़े पाँच साल) से रायपुर एयरपोर्ट पर खड़ा है और कई बार दोनों देशों के पत्राचार के बाद भी इस हवाई जहाज को ले जाने और रायपुर एयरपोर्ट का पार्किंग शुल्क चुकाने का मामला हवा में लटका हुआ है.

रायपुर एयरपोर्ट के निदेशक राकेश सहाय ने बीबीसी से कहा-ह्वकंपनी ने हमें भरोसा दिया है कि वह अपने एयरक्राफ्ट को बेच कर बकाया पैसा चुका देगी. हमने उनके इस प्रस्ताव को अपने विधि विभाग के पास भेजा है. विधि विभाग की राय के बाद ही कोई फैसला किया जाएगा.ह्व

राकेश सहाय के अनुसार पिछले पांच सालों में कंपनी को पचासों बार मेल किया गया, लेकिन कंपनी ने न तो अपना हवाई जहाज ले जाने में दिलचस्पी दिखाई और ना ही रायपुर एयरपोर्ट का बकाया चुकाया.

कंपनी ने मेल के उत्तर में हर बार यही कहा कि वह बांग्लादेश के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के अनुमोदन की प्रतीक्षा में है. इसके बाद जब कंपनी को कानूनी नोटिस भेजी गई तब कहीं जाकर कंपनी ने बकाया रकम लगभग 1.54 करोड़ चुकाने के लिए समय मांगते हुए नोटिस का जवाब दिया है.

हमने इस संबंध में फोन और ईमेल के माध्यम से यूनाइटेड एयरवेज के अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की लेकिन हमें उनका पक्ष नहीं मिल पाया.

बांग्लादेश की यूनाइटेड एयरवेज के इस मैक्डॉनल डगलस एमडी-83 हवाई जहाज को 7 अगस्त 2015 को आपातकालीन स्थिति में रायपुर एयरपोर्ट पर उतरना पड़ा था.

रायपुर एयरपोर्ट के अधिकारियों के अनुसार हवाई जहाज में JT8D-200 के दो इंजन लगे थे और एक इंजन में खराबी के बाद इसका उड़ना संभव नहीं था. इसके बाद इस हवाई जहाज ने आपातकालीन स्थिति में रायपुर एयरपोर्ट में उतरने की अनुमति मांगी.

रायपुर एयरपोर्ट के एक अधिकारी के अनुसार-ह्वदेर शाम को कोलकाता एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने रायपुर एयरपोर्ट को इस बारे में सूचना दी और तुरंत इस हवाई जहाज को उतरने की अनुमति दी गई. हालांकि इस दौरान खराब हुए इंजन का एक हिस्सा हवाई पट्टी से पहले ही हवा में गिर गया. लेकिन हवाई जहाज सकुशल हवाई पट्टी पर उतर गया.ह्व

इस हवाई जहाज के यात्रियों के लिए यूनाइटेड एयरवेज ने अगले दिन विशेष विमान भेजा और 8 अगस्त की रात को सभी यात्रियों को रायपुर से रवाना कर दिया गया.

हवाई जहाज के चालक दल के सदस्य भी बांग्लादेश लौट गये लेकिन हवाई जहाज रायपुर एयरपोर्ट पर ही खड़ा रह गया.

आपातकालीन स्थिति में इस हवाई जहाज के उतारे जाने के 24 दिनों के बाद बांग्लादेश से यूनाइटेड एयरवेज के अधिकारी रायपुर पहुंचे और उन्होंने इंजन को बदले जाने की अनुमति के लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को एक आवेदन सौंपा.

रायपुर एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने बीबीसी से कहा- "यूनाइटेड एयरवेज के जो अफसर रायपुर पहुंचे थे, उन्होंने भरोसा जताया था कि पखवाड़े भर के भीतर हवाई जहाज के इंजन की गड़बड़ी सुधार ली जाएगी और हवाई जहाज बांग्लादेश ले जाया जाएगा. लेकिन यह दावा हवा-हवाई साबित हुआ."

अगस्त 2015 के बाद यूनाइटेड एयरवेज को लगातार फोन और ईमेल किए गये. लेकिन तरह-तरह की अनुमति का हवाला दे कर एयरवेज के अधिकारियों का रायपुर आना टलता रहा.

कागजात बताते हैं कि फरवरी 2016 में यूनाइटेड एयरवेज के चार सदस्यों की एक टीम रायपुर पहुंची और सड़क मार्ग से लाये गये हवाई जहाज के इंजन को बदल दिया गया.

इस बीच यूनाइटेड एयरवेज के पायलट ने हवाई जहाज का परीक्षण किया और इसे उड़ान के लिए बिल्कुल ठीक पाया. लेकिन मामला बांग्लादेश उड्डयन प्राधिकरण में अटक गया और पायलट को भी खाली हाथ 28 फरवरी 2016 को रायपुर से लौटना पड़ा.

तकनीकी टीम और पायलट के लौटने के बाद उम्मीद थी कि जल्दी ही इस हवाई जहाज की विदाई का रास्ता साफ होगा. लेकिन पायलट के लौटने के एक सप्ताह के भीतर ही, बांग्लादेश की यूनाइटेड एयरवेज ने 6 मार्च 2016 को अपना कारोबार बंद कर दिया. 2005 में कैप्टन तस्बीरुल अहमद चौधरी द्वारा स्थापित कंपनी के हवाई जहाज धरती पर लौट आये.

रायपुर एयरपोर्ट के अधिकारियों ने इसके बाद भी हिम्मत नहीं हारी. पार्किंग की वसूली भले न हो पा रही हो, अधिकारियों ने तय किया कि कम से कम इस हवाई जहाज को पार्किंग से तो हटा ही दिया जाना चाहिए.

इन दिनों आठ हवाई जहाजों की पार्किंग क्षमता वाले रायपुर एयरपोर्ट में यूनाइटेड बांग्लादेश के हवाई जहाज ने, हवाई अड्डे का बहुत बड़ा हिस्सा घेर रखा था.

कंपनी के अधिकारियों से संपर्क किया गया और लगातार ईमेल के बाद 20 जुलाई 2018 को यूनाइटेड बांग्लादेश के सहायक प्रबंधक, इनायत हुसैन रायपुर पहुंचे. उनकी उपस्थिति में इस हवाई जहाज को रायपुर एयरपोर्ट के रनवे से 300 मीटर की दूरी पर खड़ा कर दिया गया.

रायपुर एयरपोर्ट के एक अधिकारी कहते हैं-"2015 में जब यह हवाई जहाज, रायपुर हवाई अड्डे पर उतरा था तो कुछ दिन तक हमारे जैसे लोग प्रति घंटे 320 रुपये पार्किंग शुल्क के हिसाब से कुछ घंटों का हिसाब मन ही मन जोड़ा करते थे. फिर हम महीनों का हिसाब जोड़ने लगे और देखते-देखते बात सालों तक पहुंच गई. अब तो लगता नहीं है कि रायपुर एयरपोर्ट को कभी पार्किंग शुल्क मिलेगा और इस 48 मिलियन डॉलर कीमत के हवाई जहाज की कि स्मत में भी कबाड़ हो जाना तय है."

हालांकि विमानन मामलों के जानकार राजेश हांडा का कहना है कि किसी हवाई जहाज को मरम्मत के बाद फिर से उपयोग के लायक बनाया जा सकता है. लेकिन इतने सालों तक खड़े रहने के कारण मरम्मत का काम महंगा होगा. इसके अलावा बिक्री की स्थिति में इसकी कीमत भी बेहद कम मिलेगी.

उनका कहना है कि इस तरह के हवाई जहाज के खरीदार आमतौर पर दूसरी हवाई जहाज वाली कंपनियां ही होती हैं, जो या तो मरम्मत के बाद इसे उपयोग के लायक बना लेती हैं या फिर मरम्मत न हो पाने की स्थिति में इसके अलग-अलग हिस्सों का उपयोग करती हैं.

राजेश हांडा कहते हैं- "इतने सालों तक जैसे कोई कार खड़ी रहे तो उसकी सेहत और मार्केट वैल्यू पर जो असर पड़ेगा, वही असर इस हवाई जहाज पर भी होगा. ऊपर से कोरोना के बाद बाजार की जो हालत है, उसमें विमान कंपनी को तो हर हाल में बड़ा नुकसान उठाना होगा."

बटन मशरूम उगाएं आमदनी बढ़ाएं

उगाने का सही समय

अक्टूबर से मार्च का महीना उत्तम रहता है। इन छह महीनों में दो फसलें उगाई जाती हैं। आरम्भ में 22 से 26 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान की आवश्यकता होती है। इस तापमान पर बटन मशरूम का कवकजाल बहुत तेजी से वृद्धि करता है। तथा बाद में इसके लिए 14 से 18 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान ही उपयुक्त होता है। इससे कम तापमान पर फलनकाय की बढ़वार बहुत धीमी हो जाती है।

कम्पोस्ट खाद बनाने की तकनीक

इस कम्पोस्ट को साधारण तथा निर्जीवीकरण दो विधियों से तैयार किया जाता है। कम्पोस्ट तैयार होने के बाद लकड़ी की पेटी या रैक में 15 से 20 सेमी. मोटी परत बिछा देते हैं। यदि बटन मशरूम की खेती पॉलीथिन की थैलियों में करनी हो, तो कम्पोस्ट खाद को बिजाई या स्पानिंग के बाद ही थैलियों में भरें तथा थैलियों में 2 मिलीमीटर चौड़ा छेद थोड़ी–थोड़ी दूरी पर बना देते हैं, जिससे थैली में हवा और पानी का आवागमन बना रहे।

साधारण विधि से कम्पोस्ट बनाने की तकनीक

साधारण विधि से कम्पोस्ट बनाने में 20 से 25 दिन का समय लगता है। 100 सेन्टीमीटर लम्बी, 50 सेन्टीमीटर चौड़ी तथा 15 सेन्टीमीटर ऊंची 15 पेटियों के लिए इस विधि से कम्पोस्ट बनाने के लिए निम्नलिखित सामग्री की आवश्यकता होती है–

- धान या गेहूँ का 10–12 सेन्टीमीटर लम्बाई में कटा हुआ भूसा–250 किलोग्राम
- धान या गेहूँ की भूसी–20 से 25 किलोग्राम
- अमोनियम सल्फेट या कैल्शियम अमोनियम नाइट्रेट– 4 किलोग्राम
- यूरिया–3 किलोग्राम
- जिप्सम–20 किलोग्राम
- मैलाथियॉन–10 मिलीलीटर

जिस स्थान पर कम्पोस्ट तैयार करनी हो वहां पर गेहूं के भूसे की 8 से 9 इन्च मोटी परत बिछाकर उसे पानी से अच्छी तरह से भिगों दें। पानी में भिगोने के लगभग 16 से 18 घंटे बाद उसमें जिप्सम तथा कीटनाशक दवा को छोड़कर बाकी सभी सामग्री को अच्छी तरह से भूसे में मिला लें। और इस प्रकार से तैयार सम्पूर्ण सामग्री को एक मीटर चौड़ी, एक मीटर ऊॅची तथा सुविधानुसार लम्बाई में ढेर बना देते हैं। इस प्रकार तैयार ढेर को प्रत्येक 3–4 दिन के अन्तराल पर हवा लगने के लिए फर्श पर खोलकर बिछा देते हैं। तथा आधे घण्टे बाद दोबारा उसी आकार का ढेर बना देते हैं। यदि भूसा सूखा हुआ लगे तो उस पर हल्का पानी छिड़ककर गीला करते रहें। तीसरी पलटाई के दौरान जिप्सम की आधी मात्रा मिला देते हैं। शेष बची हुई जिप्सम की मात्रा को चौथी पलटाई के दौरान भूसे में मिला दें। पांचवीं पलटाई के दौरान 10 मिली लीटर मैलाथियान को 5 लीटर पानी में घोलकर भूसे पर छिड़काव कर, भूसे में अच्छी तरह से मिलाकर पुनः उसे ढेर में बना देते हैं। अगले 3–4 दिनों में कम्पोस्ट खाद पेटियों या थैलियों में भरने योग्य हो जाती है।

बटन मशरूम की बिजाई या स्पानिंग करना

मशरूम के बीज को स्पान कहते हैं। स्पान की गुणवत्ता का मशरूम उत्पादन पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। अतः मशरूम का स्पान किसी अच्छे व भरोसेमंद संस्थान से ही लें। स्पान लेते समय यह भी ध्यान रखें कि स्पान एक माह से अधिक पुराना ना हो। स्पान की मात्रा कम्पोस्ट खाद के वजन के 2 से 2.5 प्रतिशत के बराबर रखते हैं। स्पानिंग करने के लिए कम्पोस्ट से भरी थैलियों में कम्पोस्ट के ऊपर स्पान बिखेर कर तदुपरान्त स्पान के ऊपर 2 से 3 सेन्टीमीटर मोटी कम्पोस्ट की परत और चढ़ा दें।

स्पानिंग उपरान्त मशरूम की देखभाल

बटन मशरूम के स्पान की बीजाई के पश्चात थैलियों को मशरूम कक्ष में सावधानीपूर्वक रख देते हैं। तथा इसके ऊपर पुराना अखबार बिछाकर पानी से भिगो देते हैं। इसके साथ ही मशरूम कक्ष में पर्याप्त नमी बनाये रखने के लिए कमरे के फर्श व दीवारों पर पानी छिड़कते रहें। इस समय कक्ष का तापमान 22 से 26 डिग्री सेन्टीग्रेड तथा नमी 80 से 85 प्रतिशत के बीच रखें।

परत चढ़ाना या केसिंग करना

गोबर की अच्छी सड़ी हुई खाद एवं बाग की मिट्टी को बराबर मात्रा में लेकर उसको छानकर अच्छी तरह से मिला लें। इस प्रकार तैयार इस मिश्रण को 5 प्रतिशत फार्मलीन या भाप से निर्जीवीकरण कर लें। इसके उपरान्त इस मिश्रण का मशरूम थैलियों के ऊपर परत चढ़ाने के लिए उपयोग करते हैं। इस प्रक्रिया को केसिंग करना कहते हैं।

तुड़ाई

स्पानिंग करने के 35 से 40 दिन बाद अथवा मिट्टी के मिश्रण चढ़ाने के 15 से 20 दिन बाद कम्पोस्ट के ऊपर बटन मशरूम के सफेद फलनकाय दिखाई देने लगते हैं। जो अगले 4 से 5 दिन में बटन के आकार में वृद्धि कर लेते है। जब बटन मशरूम की टोपीनुमा संरचना कसी हुई अवस्था में हो तथा उसके नीचे की झिल्ली साबुत हो तब मशरूम को हाथ की उंगलियों से हल्का दबाकर और घुमाकर तोड़ लेते हैं।

महाराष्ट्र में नई गाइडलाइंस

मुंबई: महाराष्ट्र में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच राज्य की उद्धव ठाकरे की सरकार ने नई गाइडलाइंस जारी किए हैं. रविवार को मंत्रिपरिषद की बैठक में ये फैसला लिया गया कि रात 8 से सुबह 7 तक महाराष्ट्र में नाइट कर्फ्यू लागू रहेगा. इसके अलावा दिनभर धारा 144 लागू रहेगी. एक जगह पर पांच से अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर पाबंदी रहेगी. सूत्रों के मुताबिक, शनिवार और रविवार पूरे राज्य में लॉकडाउन होगा. ये सभी नियम कल यानी सोमवार रात आठ बजे से लागू होंगे.

महाराष्ट्र में कोरोना बेकाबू

बता दें कि महाराष्ट्र में शनिवार को कोविड-19 के 49,447 नये मामले सामने आये जो अभी तक किसी एक दिन में सामने आये सबसे अधिक मामले हैं. इससे राज्य में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 29,53,523 हो गई जबकि 277 और मरीजों की मौत हो जाने से मृतकों की संख्या बढ़कर 55,656 हो गई. मुंबई शहर में कोविड-19 के 9,108 नये मामले सामने आये जो एक दिन में सबसे अधिक हैं.

जानें क्या बंद रहेंगे और क्या खुलेंगे?

स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि 1,84,404 और जांच की गई जिससे महाराष्ट्र में अब तक की गई कुल जांच की संख्या बढ़कर 2,03,43,123 हो गई है. विभाग ने कहा कि राज्य में ठीक होने की दर अब 84.49 प्रतिशत है, जबकि मृत्यु दर 1.88 प्रतिशत है. बयान में कहा गया है कि 277 मौतों में से 132 मौतें पिछले 48 घंटों में हुईं. कुल 37,821 मरीजों को अस्पताल से छुट्टी दी गई जिससे महाराष्ट्र में अब तक ठीक हुए मरीजों की संख्या बढ़कर 24,95,315 हो गई.

क्या खुलेंगे क्या बंद रहेंगे?

मॉल, रेस्टोरेंट और बार बंद करने का फैसला.
जरूरी सेवाएं चालू रहेंगी.
सरकारी ऑफिस 50 फीसदी की क्षमता के साथ काम करेंगे.
सब्जी मंडियां बंदी नहीं रहेंगी.
शुक्रवार रात 8 से सोमवार सुबह 7 तक स्ट्रिक्ट लॉकडाउन रहेगा.
होटल में बैठकर खाने की इजाजत नहीं होगी.
सिनेमा हॉल्स, पार्क और खेल के मैदान बंद रहेंगे.
रिक्शा, टैक्सी और ट्रेन बंद नहीं होंगे.
किसी भी जगह पर पांच से अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर रोक
बड़े फिल्मों की शूटिंग की इजाजत नहीं होगी.
इंडस्ट्री पूरी तरह चालू रहेगी, वर्कर्स पर कोई पाबंदी नहीं.
पब्लिक ट्रांसपोर्ट 50 फीसदी की क्षमता से चलेगा.
धार्मिक स्थल को बंद करने का फैसला किया गया.

एनसीपी के एक और नेता राजेश विटेकर पर लगा बलात्कार का संगीन आरोप

पुणे : धनंजय मुंडे के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी के एक और नेता के ऊपर बलात्कार का आरोप लगा है। एनसीपी के इस नेता का नाम राजेश विटेकर है। जो परभणी जिले में एनसीपी (NCP) के नेता है राजेश विटेकर परभणी जिला परिषद के अध्यक्ष भी हैं। विटेकर पर एक महिला ने बलात्कार का आरोप लगाते हुए कहा है कि उन्होंने शरद पवार के नाम की धमकी देकर मेरे साथ साल भर तक यौन शोषण किया है। पीड़िता के मुताबिक विटेकर ने कहा कि मेरे सर पर शरद पवार का हाथ है। इसलिए मेरे खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं होगा। पीड़ित महिला ने गुरुवार को पुणे शहर में भूमाता ब्रिगेड की अध्यक्षा तृप्ति देसाई के साथ एक पत्रकार परिषद में यह गंभीर आरोप लगाए हैं। इन आरोपों के बाद एक बार फिर से महाविकास अघाड़ी सरकार की छवि पर दाग लगा है।

पटोले की मांग, 18 से ज्यादा उम्र वालों को कोरोना टीका लगाया जाए

मुंबई : महाराष्ट्र में कोरोना का संक्रमण जिस तेजी से बढ़ रहा है, उससे न सिर्फ शहरी भाग बल्कि ग्रामीण भागों में भी मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। कोरोना संक्रमित मरीजों में 20 से 45 आयु वर्ग के युवाओं की संख्या सबसे ज्यादा है। इसलिए 18 साल से ज्यादा उम्र वाले युवाओं को तत्काल टीका दिया जाना चाहिए। यह मांग शुक्रवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने की। पटोले ने कहा कि देश में बड़ी संख्या में कोरोना टीका उपलब्ध है। इसके बावजूद सिर्फ उम्र की मयार्दा लागू किए जाने के कारण युवा टीका नहीं ले पा रहे हैं। यही वजह है कि देश में और महाराष्ट्र में कोरोना मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। पटोले ने कहा कि युवाओं को नौकरी काम और धंधे के सिलसिले में घर से बाहर निकलना ही पड़ता है। यही वजह है कि वह ज्यादा संख्या में कोरोना की चपेट में आ रहे हैं। यही लोग जब संक्रमित होकर जब घर जाते हैं, तो घर के बुजुर्ग और बच्चे भी कोरोना संक्रमित हो जाते हैं। इस खतरे को ध्यान में रखते हुए 18 वर्ष से ज्यादा उम्र वाले सभी नागरिकों को कोरोना का टीका लगाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में राज्य सरकार को केंद्र सरकार के साथ बात करनी चाहिए।

पटोले ने कहा कि एक तरफ केंद्र सरकार महाराष्ट्र को पर्याप्त मात्रा में कोरोना का टीका उपलब्ध नहीं करा रही है, वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान जैसे देशों को मुफ्त में टीके दे रही है। उन्होंने कहा कि देश में कोरोना वायरस की स्थिति नियंत्रण से बाहर जाने से पहले ही पर्याप्त मात्रा में लोगों को कोरोना का टीका दिया जाना जरूरी है। पटोले ने कहा कि देश में यह कोई पहली महामारी नहीं है। इससे पहले भी महामारियां आई हैं और केंद्र की कांग्रेस सरकारों ने उन महामारियों का सफलतापूर्वक सामना किया है।

मनसे ने अपने कार्यकताओं को महाराष्ट्र सरकार के फैसले का समर्थन करने के लिए कहा

मुंबई : महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) ने रविवार को पार्टी कार्यकताओं से कहा कि वे राज्य में कोविड-19 के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए सरकार द्वारा लिए गए फैसले का समर्थन करें। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे से फोन पर बातचीत की और उनसे अपील की कि अगर राज्य सरकार संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए लॉकडाउन लगाने पर मजबूर होती है तो वे राज्य सरकार के फैसले में सहयोग करें। इसके बाद मनसे ने यह बयान दिया। पार्टी ने एक ट्वीट में कहा, ह्यह्य कृपया सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग करें और सभी दिशा-निदेर्शों का पालन करें। 'मनसे ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री ने राज ठाकरे से फोन पर बातचीत की। मुख्यमंत्री कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार को रोकने संबंधी रास्ता निकालने के लिए उद्योगपतियों, मनोरंजन उद्योग के सदस्यों समेत अन्य पक्षकारों के साथ बातचीत कर रहे हैं। मुख्यमंत्री

यह समाचार पत्र मासिक महाराष्ट्र क्राईम्स मालिक,मुद्रक प्रकाशक सिराज चौधरी द्वारा राजीव प्रिंटर्स,४९६,पंचशील नगर-१, नागसेन बुद्ध मंदिर रोड नं-३, तिलक नगर, चेम्बुर,मुंबई-४०००८९ से मुद्रित करवा कर ८/ऐ/१६९/२७०२/टागोर नगर, विक्रोली (पू),मुंबई-४०००८३ से प्रकाशित किया ।

संपादक- सिराज चौधरी मो. ९७७३६२२९६७